नन्हीं कली परियोजना
जिला उदयपुर

- उदयपुर जिले में प्रारंभिक स्तर पर प्रमुख रूप से निम्न शैक्षिक समस्याएं अस्तित्व में है –

  (अ) एकल शिक्षक विद्यालयों की संख्या अत्यधिक होना।

  (ब) शिक्षकों पर कार्य की अधिकता जैसे पॉच–पॉच कक्षाओं का शिक्षण साथ में मिड डे मिल, सर्व शिक्षा अभियान की गतिविधियां व अन्य सहशैक्षिक कार्य इत्यादि।

  (स) अधिकांश शिक्षकों द्वारा अपने निवास स्थान से विद्यालय तक अपडाउन किया जाना शिक्षण क्षमता को कम करता है।

  परिणाम होता है अधिगम का निम्न स्तर व ड्रॉप आउट, इन समस्याओं के समाधान में ''नन्हीं कली परियोजना'' का सहयोग सकारात्मक परिणाम देगा।

- नन्हीं कली परियोजना राजस्थान में सर्वप्रथम उदयपुर जिले में एक नवाचार के रूप में सत्र 2006–07 से चलाई जा रही है।
- इस परियोजना में राजस्थान सरकार एवं के.सी. महिन्द्रा एज्युकेशन ट्रस्ट मुम्बई के मध्य हुए 3 वर्ष के ए.ओ.यू. अन्तर्गत प्रत्येक बालिका पर कुल रूपये 1800/– प्रति वर्ष खर्च किये जा रहे है यह शेयर 50–50 प्रतिशत (सरकार व ट्रस्ट) दोनो का है।
- इसके अन्तर्गत उदयपुर जिले के टी.एस.पी. एरिया कोटडा, झाडोल व धरियावद विकास खण्ड की कक्षा 1 से 8 तक की 10000 (दस हजार) एस.टी. बालिकाओं को शैक्षिक लाभ दिया जा रहा है।
- बालिकाओं को शैक्षिक परिलाभ देने हेतु चयनित 303 विद्यालयों में से 290 विद्यालयों में स्थानीय स्वयंसेवी शिक्षक (12 वीं उत्तीर्ण) साक्षात्कार द्वारा लगाए गए है जिन्हें 1400 रू. मानदेय दिया जा रहा है।
- बालिकाओं को शैक्षिक किट वितरित किए गए है जिसमें दो यूनिफार्म, जूते, मोजे कॉपिया, पैन, बैग आदि सम्मिलित है। अब तक 8499 बालिकाओं का ई प्रोफाइल तैयार कर लिया गया है शेष 1501 बालिकाओं का ई प्रोफाईल जून अन्त तक तैयार कर लिया जायेगा। इस प्रकार परियोजना प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

प्रारंभिक स्तर पर तीनो ब्लॉक में निर्धारित लक्ष्य हेतु चयनित विद्यालय एवं बालिकाओं की संस्थिति

क्र.स.	ब्लॉक का नाम	विद्यालय/एसटी बालिका संख्या					
		प्रावि		**उप्रावि**		**योग**	
		विद्यालय संख्या	छात्रा संख्या	विद्यालय संख्या	छात्रा संख्या	विद्यालय संख्या	छात्रा संख्या
1	कोटडा	88	2893	9	665	97	3558
2	झाडोल	72	2699	9	568	81	3267
3	धरियावद	113	4136	12	928	125	5064
	योग	**273**	**9728**	**30**	**2161**	**303**	**11889**

- शत प्रतिशत बालिकाए विद्यालय में नियमित नही रह पाती है, ड्राप आउट हो जाती है अतः कुल 11889 नामांकित बालिकाओं में से नियमित 10000 बालिकाओं का चयन किया गया है।

प्रथम चरण में चयनित विद्यालय एवं बालिकाओं की वर्तमान संस्थिति

क्र.स.	ब्लॉक का नाम	विद्यालयों की संख्या	कुल पहचानी गई बालिकाएं
1	**कोटडा**	**86**	**2195**
2	**झाडोल**	**80**	**2577**
3	**धरियावद**	**124**	**3727**
	योग	**290**	**8499**